संक्षिप्त समाचार

खाली हो जाएंगे चिंटल सोसायटी के टावर, सुको 9 अप्रैल को सुनाएगा फैसला

नईदिल्ली, 30 मार्च (एजेंसी)। सेक्टर-109 स्थित चिंटल पैराडाइसो सोसाइटी के असुरक्षित ए,बी और सी टावर को खाली करने पर लगी रोक पर सुप्रीम कोर्ट में नौ अप्रैल को सुनवाई है। इन तीनों टावर में रहने वाले लोगों और बिल्डर प्रबंधन को कोर्ट में सुनवाई का इंतजार है। सोसाइटी के आरडब्ल्यूए प्रधान राकेश हुड्डा ने कहा कि अब देखना होगा कि टावरों के खाली करने के आदेश पर कोर्ट स्टे को आगे बढ़ता है या कोई नया दिशा-निर्देश जारी करता है। स्टे के बाद जिला प्रशासन से लेकर बिल्डर की ओर से कोई पत्राचार नहीं हुआ है। ऐसे में किसी पर फ्लैट मालिकों को भरोसा नहीं रहा है। सिर्फ कोर्ट के फैसले का इंतजार है। 26 मार्च को सुप्रीम कोर्ट की ओर से आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत जिला उपायुक्त अजय कुमार के असुरक्षित ए, बी और सी टावर को खाली करने के आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी गई थी। प्रशासन के आदेश में तीन टावर में रह रहे करीब 150 फ्लैट मालिकों के लिए विकल्प एक और दो के चयन को लेकर कोई जिक्र नहीं किया गया था। किराया और स्थानांतरण शुल्क के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई थी। चिंटल इंडिया लिमिटेड कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जेएन यादव ने कहा कि स्टे खत्म करने के लिए नौ अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में पक्षा रखा जाएगा। इसमें ए, बी और सी टावर को खाली कराने और सभी फ्लैट मालिकों को विकल्प दिया जाएगा।

शाहबेरी में 4 किमी लंबे 4 लेन एलिवेटेड रोड को मंजूरी

ग्रेटर नोएडा, 30 मार्च (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के एकमूर्ति चौक से एनएच-24 तक चार लेन की एलिवेटेड रोड बनेगी। चार किलोमीटर लंबी यह एलिवेटेड रोड शाहबेरी होते हुए बनाई जाएगी। इसके निर्माण पर करीब 400 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की शनिवार को हुई बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। ग्रेटर नोएडा वेस्ट इलाके में आबादी तेजी से बढ़ रही है। निर्माणाधीन बिल्डर परियोजनों के पूरा होने पर बड़ी संख्या में लोग यहां रहने आएंगे। एक अनुमान के मुताबिक आने वाले 10 वर्षों में 20 लाख से अधिक आबादी हो जाएगी। वहीं, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुरू होने से बाद ट्रैफिक का दबाव और अधिक बढ़ जाएगा। अभी भी ग्रेटर नोएडा वेस्ट के निवासियों को जाम से जूझना पड़ता है। इसे ध्यान में रखते हुए प्राधिकरण ने एक मूर्ति चौक से एनएच-24 तक एलिवेटेड रोड बनाने की योजना है,जो शाहबेरी होते हुए गुजरेगा। प्राधिकरण अधिकारी के मुताबिक, इस पर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) से सहमति मिल चुकी है। निर्माण में सहयोग के लिए भी एनएचएआई तैयार हो गया है। प्राधिकरण बोर्ड से अनुमति मिलने के बाद अब इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जाएगी। इसे बनाने में लगभग 400 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। नोएडा प्राधिकरण ने यमुना पुस्ते पर एलिवेटेड रोड मंजूरी किया था = नोएडा प्राधिकरण की शुक्रवार को हुई बोर्ड बैठक में यमुना पुस्ते पर एलिवेटेड रोड बनाने की परियोजना को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी गई। इस मार्ग को सेक्टर-150 से नोएडा-ग्रेनो और यमुना एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाएगा। इस परियोजना पर करीब चार हजार करोड़ रुपये का खर्च आएगा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के वैकल्पिक मार्ग के तौर पर यमुना बांध रोड के समानांतर यह एलिवेटेड रोड बनाया जाएगा। यह रोड एमपी तीन मार्ग से सटकर सेक्टर-94 से 150 तक बनाया जाएगा। एलिवेटेड रोड के बनने से ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के साथ ही नोएडा, गाजियाबाद और नोएडा एयरपोर्ट आने-जाने वालों को सहूलियत होगी। इस पर आने वाले खर्च का वहन नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना और गाजियाबाद विकास प्राधिकरण मिलकर करेंगे।

दिल्ली के मंत्री ने गुरुग्राम-दिल्ली हाईवे को लाइफ लाइन बताया

लापरवाह ठेकेदारों पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसी)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को गुरुग्राम-दिल्ली राजमार्ग पर धौला कुआं से शिव मूर्ति इंटरचेंज तक प्रमुख निर्माण स्थलों का जायजा लिया। उन्होंने डीपीसीसी अधिकारियों को धूल नियंत्रण उपायों को लागू नहीं करने वाले डेवलपर्स और ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने एक बयान में कहा कि उन्होंने गुरुग्राम-दिल्ली राजमार्ग पर धौला कुआं से शिव मूर्ति इंटरचेंज तक प्रमुख निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए बेहतर धूल नियंत्रण, ट्रैफिक डायवर्जन और ग्रीन कॉरिडोर के विस्तार का आह्वान किया।

बयान में कहा गया है कि सिरसा के साथ दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी), लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और दिल्ली यातायात पुलिस के अधिकारी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने ट्रैफिक की भीड़ और वायु प्रदूषण में योगदान देने वाले प्रमुख समस्याओं पर ध्यान दिया।

उन्होंने महिपालपुर फ्लाईओवर और रोहतक-चंडीगढ़ फ्लाईओवर पर कमियों को उजागर किया, जिसके कारण अक्सर अड़चनें आती हैं। इसके अलावा शिव मूर्ति इंटरचेंज और एयरपोर्ट अंडरपास जैसे प्रमुख निर्माण स्थलों पर धूल कम करने के प्रयासों की समीक्षा की। सिरसा ने प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को नहीं अपनाने पर चिंता जताई। कहा कि कई निर्माण स्थलों को खुला छोड़ दिया गया है और धूल को नियंत्रित करने के लिए नियमित रूप से पानी का छिड़काव नहीं किया गया है।

मंत्री ने डीपीसीसी अधिकारियों को उचित धूल नियंत्रण उपायों को लागू करने में विफल रहने वाले डेवलपर्स और ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सिरसा ने कहा कि अगर हम उचित डायवर्जन के माध्यम से सुचारू ट्रैफिक सुनिश्चित कर सकते हैं, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण लागू कर सकते हैं और राजमार्ग के किनारे हरियाली का विस्तार कर सकते हैं तो हम दिल्ली की वायु गुणवत्ता में काफी हद तक सुधार कर सकते हैं। शिव मूर्ति इंटरचेंज पर मंत्री ने एनएचएआई और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को प्रस्तावित कॉरिडोर के माध्यम से ट्रैफिक की आवाजाही का आकलन करते हुए एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने एनएचएआई को प्रमुख चोक पॉइंट्स पर अतिरिक्त डायवर्जन की जरूरत का मूल्यांकन करने और आने वाले दिनों में एक योजना प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया। प्रदूषण से निपटने के लिए एनएचएआई और दिल्ली नगर निगम को राजमार्ग के किनारे हरियाली बनाए रखने और उसका विस्तार करने के लिए समन्वय से काम करने को कहा गया है। सिरसा ने गुरुग्राम-दिल्ली राजमार्ग को राजधानी की जीवन रेखा बताया। इस बात पर जोर दिया कि वायु प्रदूषण को कम करने के लिए ट्रैफिक का सुचारू प्रवाह सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एफएनजी एक्सप्रेसवे के निर्माण में यमुना नदी से जुड़े जमीन विवाद बड़ी अड़चन

नईदिल्ली, 30 मार्च (एजेंसी)। फरीदाबाद-नोएडा-गाजियाबाद (एफएनजी) एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए यमुना नदी से जुड़ा जमीन का विवाद एक बड़ी बाधा बन सकता है। एफएनजी एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए यमुना नदी के किनारे भूमि का अधिग्रहण किया जाना है। हालांकि, जब तक यह स्पष्ट नहीं हो जाता कि यह भूमि किस राज्य के अधिकार क्षेत्र में आती है, तब तक इस परियोजना का आगे बढ़ाना मुश्किल होगा। यमुना नदी हरियाणा और उत्तर प्रदेश के बीच विभाजन रेखा का कार्य करती है, लेकिन मॉनसून के दौरान बढ़ता जलस्तर नदी की धारा को बदल देता है। इस बदलाव के कारण दोनों राज्यों के किसानों और प्रशासन के बीच जमीन के स्वामित्व को लेकर हर साल विवाद खड़ा हो जाता है। पूर्व में नौबत खूनी संघर्ष तक पहुंच चुकी है। हर साल बरसात के मौसम में यमुना का जलस्तर बढ़ जाता है, जिससे उसकी धारा में बदलाव आ जाता है। कभी हरियाणा की जमीन उत्तर प्रदेश के हिस्से में चली जाती है, तो कभी यूपी की जमीन हरियाणा के हिस्से में आ जाती है। दोनों तरफ के राजस्व अधिकारी हर साल जमीन की पैमाइश कराते हैं, लेकिन विवाद का स्थायी हल नहीं निकलता। यह स्थिति केवल फरीदाबाद में ही नहीं, बल्कि यमुना के साथ लगते पूरे हरियाणा क्षेत्र में है। 70 के दशक में आए दीक्षित अवॉर्ड के आधार पर सालों पहले यमुना किनारे दोनों राज्यों की सीमा को निर्धारित करने के लिए पिलर खड़े किए गए थे, लेकिन वह पानी के तेज बहाव से बह गए थे। जमीन के मालिकाना हक को लेकर विवाद बना हुआ है। हरियाणा में यमुना का हिस्सा करीब 70 किलोमीटर है। जिला फरीदाबाद ओर जिला पलवल इसमें शामिल है। बहरहाल, यमुना किनारे उत्तर प्रदेश अपनी अनेक विकास योजना ला चुकी है, बहुमंजिला इमारत ओर ताज एक्सप्रेसवे मुख्य है, जबकि हरियाणा में अभी मास्टर प्लान कागजों तक ही सीमित है। इस वजह से खेत ओर आबादी बाढ़ की चपेट में आ रही है। किसान प्रहलाद का कहना है कि यमुना किनारे अभी खेती है, लेकिन जब पानी भर जाएगा तो वह बर्बाद होगी।

समलैंगिक संबंध के लिए पति ने दोस्तों संग मिलकर की पत्नी की हत्या, 4 दिन पहले ही लाया था दिल्ली

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसी)। दिल्ली के सत्यम एंक्लेव इलाके में 28 मार्च को बैग में मिले एक महिला के शव के मामले में नया खुलासा हुआ है। सूत्रों के अनुसार, जांच में सामने आया कि समलैंगिक संबंधों में आड़े आने के चलते पति ने दोस्तों के साथ मिलकर अपनी पत्नी की जान ली थी।

शाहदरा जिला अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नेहा यादव ने बताया कि महिला हत्या से तीन चार दिन पहले ही पति आशीष कुमार झा और उसके दोस्त अभय कुमार झा के साथ दिल्ली आई थी। आरोपी विवेकानंद ने अपने कमरे में उनके रहने की व्यवस्था की थी। उसने अपने कमरे का ताला बदलने के बाद एक चाबी आशीष को दे दी थी।

मृतका की पहचान पंजाब के लुधियान निवासी अंजू उर्फ अंजलि के रूप में हुई है। पुलिस ने मकान मालिक विवेकानंद मिश्रा और आरोपी अभय कुमार झा उर्फ सोनू को गिरफ्तार कर लिया है। अभय बिहार के सुपौल जिला स्थित परसरमा गांव का रहने वाला है। पुलिस आरोपी पति की तलाश में छापेमारी कर रही है।

मकान मालिक विवेकानंद मिश्रा ने पूछताछ में बताया कि आरोपी आशीष कुमार झा उसका दोस्त है। कुछ दिन पहले आशीष ने विवेकानंद से दिल्ली में रहने के लिए कमरे की व्यवस्था करने को कहा था। इस पर विवेकानंद ने सत्यम एंक्लेव स्थित अपना कमरा दोस्त आशीष को दे दिया था, क्योंकि कोचिंग पढ़ाने के बाद विवेकानंद का यह कमरा खाली रहता था। विवेकानंद पत्नी के साथ दिल्ली के पटेल नगर इलाके में रहता था। वह सत्यम एंक्लेव स्थित घर में कोचिंग पढ़ाने के लिए आता था। शुक्रवार को किसी काम से विवेकानंद की पत्नी कमरे पर आ गई। कमरे से बदबू आने के साथ ही दरवाजे के नीचे से खून देखकर वह दंग रह गई।

दिल्ली को अगले 4 दिन सताएगी गर्मी!

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसी)। दिल्ली में शनिवार को भी चली तेज हवाओं के कारण अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। इस कारण लोगों को गर्मी से राहत महसूस हुई। मौसम विभाग का कहना है कि रविवार से राजधानी में पारा फिर चढ़ सकता है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि राजधानी में रविवार को मौसम शुष्क एवं साफ बना रहेगा। इस कारण अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रहने के आसार हैं। इस 10-20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी।

मौसम विभाग ने अगले चार दिन राजधानी के तापमान में बढ़ोतरी की संभावना जताई है। वहीं, शनिवार को दिनभर आंशिक रूप से बादल छाए रहे और हवा की गति भी तेज रही। शनिवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 29.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस कम था। न्यूनतम तापमान 15.5 डिग्री रहा।

हवा में सुधार के बाद ग्रैप के पहले चरण की पाबंदियां हटीं: दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार को देखते हुए, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के पहले चरण के प्रतिबंध हटाने का निर्णय लिया है।

यह निर्णय शनिवार को आयोजित ग्रेप की उप-समिति की बैठक में लिया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, राजधानी में शनिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 153 रिकॉर्ड किया गया, जो कि 'मध्यम' श्रेणी में आता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग और भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान के पूर्वानुमान के अनुसार, आगामी दिनों में भी दिल्ली की वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में बनी रहने की संभावना है।

बता दें कि, एक्यूआई शून्य से 50 के बीच अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

मोटापे से परेशान मेक्सिको ने जंक फूड के खिलाफ छेड़ी जंग, स्कूलों में इस्तेमाल करने पर लगाया बैन

मेक्सिको सिटी, 30 मार्च (एजेंसी)। मेक्सिको ने अपने देश में डायबिटीज और मोटापे के खिलाफ जंग छेड़ दी है। प्रशासन ने स्कूलों में जंक फूड पर पूरी तरह से बैन लगा दिया है। अधिकारियों ने बताया कि नमकीन और मीठे जंक फूट या प्रोसेस्ड फूड मेक्सिको में स्कूली बच्चों में पीढ़ियों से लोकप्रिय है। जंक फूड की वजह से देश में भारी मात्रा में मोटापे और डायबिटीज के मरीज हो रहे हैं। इससे निपटने के लिए सरकार ने इस पर बैन लगाने का फैसला किया है, जो कि शनिवार से प्रभावी हो जाएगा।

मेक्सिको के शिक्षा मंत्रालय ने बैन के इस फैसले को लेकर सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट किया, अलविदा जंक फूड! यह बैन माता-पिता को अपने बच्चों के लिए भोजन पकाकर स्कूल भेजने और स्कूल में पका हुआ भोजन

खिलाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। यह हमारे लिए एक धर्मयुद्ध की तरह है।

मेक्सिकन स्वास्थ्य सचिव मारियो डेलगाडो ने कहा कि नई मेक्सिकन स्कूल पद्धति में हमारा मूल उद्देश्य बच्चों को स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है। केवल हम ही नहीं बल्कि मेक्सिको के दंपत्तियों बीच में भी इस नीति को लेकर अच्छी खासी स्वीकृति है। सोमवार से लागू होने वाले इस प्रतिबंध के तहत अब मेक्सिको के स्कूलों में जंक फूड की जगह दूसरे तरह के पके हुए पौष्टिक खाद्य पदार्थ के विकल्प होंगे इसके अलावा स्कूलों को पीने के लिए सादा पानी भी देना होगा। प्रतिबंध का समर्थन करते हुए मेक्सिकन राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने कहा कि आलू के चिप्स के एक बैग की तुलना में बीन टेको (एक मेक्सिकन भोजन) खाना ज्यादा बेहतर है। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार मेक्सिको के बच्चे लैटिन अमेरिका के बाकी देशों की तुलना में कहीं ज्यादा जंक फूड खाते हैं। इसकी वजह से इन बच्चों में बचपन से ही मोटापे और डायबिटीज के अन्य लक्षण देखने को मिल जाते हैं। मेक्सिको की सरकार द्वारा मोटापे और डायबिटीज को लेकर किया जा रहा यह महत्वाकांक्षी प्रयास दुनियाभर में बारीकी से देखा जा रहा है।

महिला किसे कहते हैं? डोनाल्ड ट्रंप की परिभाषा सुन लोटपोट हुए लोग, संदेश भी दिया

वाशिंगटन, 30 मार्च (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने सख्त फैसलों के साथ साथ अपने मजाकिया अंदाज के लिए भी जाने जाते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप की बातें सुनकर कई बार लोग अपनी हंसी रोक नहीं पाते हैं। हाल ही में इसका एक और उदाहरण देखने को मिला। दरअसल ट्रंप वाइट हाउस में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। इस मौके पर एक पत्रकार ने उनसे महिलाओं की भूमिका से जुड़ा एक सवाल पूछा। ट्रंप ने हाजिरजवाबी दिखाते हुए इस सवाल का जवाब देते हुए बताया कि उनके हिसाब से महिलाओं की परिभाषा क्या होती है। इस जवाब को सुनकर वहां बैठे लोग ठहाका लगाकर हंस पड़ें।

रिपोर्टर ने यह सवाल तब पूछा जब ट्रंप न्यू जर्सी की अमेरिकी अटॉर्नी एलिना हब्बा के शपथ ग्रहण समारोह के बारे में बातचीत कर रहे थे। पत्रकार ने ट्रंप की सरकार में महिलाओं को चीफ ऑफ स्टाफ सूज़ी विल्स, प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट और अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त करने में ट्रंप की भूमिका पर जोर दिया। इसके बाद उसने राष्ट्रपति ट्रंप से पूछा, चूंकि डेमोक्रेट इस सवाल का जवाब देने में संघर्ष करते दिखते हैं, इसलिए मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि महिला क्या है और यह क्यों जरूरी है कि हम पुरुषों और महिलाओं के बीच के अंतर को समझें?

ट्रंप ने कहा कि जवाब देना आसान है। उन्होंने कहा, एक महिला वह होती है जो बच्चे को जन्म दे सकती है। उसके पास अधिकार है। एक महिला वह होती है जो एक पुरुष से कहीं ज्यादा समझदार होती है। एक महिला वह होती है जो एक पुरुष को कभी जीतने नहीं देती। ट्रंप के इस जवाब को सुन सभी हंस पड़े।

ट्रंप इसके बाद खेलों में ट्रांसजेंडर्स की भागीदारी पर चर्चा करते नजर आए। ट्रंप ने गंभीर होते हुए कहा कि महिलाओं के साथ वह कभी अन्याय नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा, एक महिला वह होती है जिसके साथ कई मामलों में अनुचित व्यवहार किया गया है। यह विचार कि पुरुष महिलाओं के खेलों में प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं, न केवल हास्यास्पद है बल्कि बहुत गलत है। यह महिलाओं का अपमान करता है।

केंद्र सरकार के खिलाफ बीएनपी के विरोध प्रदर्शन में 250 से अधिक कार्यकर्ता गिरफ्तार

क्वेटा, 30 मार्च (एजेंसी)। पाकिस्तान की बलूचिस्तान नेशनल पार्टी (बीएनपी) के 250 से अधिक कार्यकर्ताओं को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। वे बलूच यकजहती समिति (बीवाईसी) के नेताओं और कार्यकर्ताओं की अवैध हिरासत के खिलाफ क्वेटा तक शांतिपूर्ण मार्च का नेतृत्व कर रहे थे। स्थानीय मीडिया ने शनिवार को बताया कि प्रदर्शनकारियों को बलूचिस्तान प्रांत के मस्तुंग के पास पकड़ा गया। इससे पहले शनिवार को ही बीएनपी ने संघीय सरकार की आलोचना की क्योंकि उन्होंने वाध से क्वेटा तक शांतिपूर्ण मार्च को रोकने के लिए रास्ते में कंटेनर रखे और प्रमुख प्रवेश बिंदुओं को अवरुद्ध कर दिया। क्रूर दमन के बीच पार्टी नेतृत्व से शनिवार को अपने भविष्य की कार्रवाई की घोषणा करने की उम्मीद थी। बीएनपी ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट किया, सुरक्षाबलों ने लकपास, क्वेटा के पास एकत्र हुए लोगों के खिलाफ आंसू गैस के गोले दागे।

भूकंप के झटकों से फिर कांपा म्यांमार, लोगों में दहशत का माहौल

यांगून, 30 मार्च (एजेंसी)। म्यांमार में भूकंप के झटके लगातार लोगों को डराए हुए हैं। शुक्रवार को आए 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद से अब तक कई झटके महसूस किए गए हैं। रविवार को भी दो बार भूकंप आया, जिनमें से पहला 4.6 तीव्रता का और दूसरा 5.1 तीव्रता का था। ये झटके मांडले के निकट महसूस किए गए, जहां पहले से ही भूकंप से भारी तबाही मची हुई है। आज आए भूकंप के झटके लगते ही मांडले के निवासी घबरा गए और लोग घरों से बाहर निकल आए। भूकंप का केंद्र मांडले से 13 मील दूर उत्तर-पश्चिम में धरती के 10 किलोमीटर नीचे था। शुक्रवार को आए विनाशकारी भूकंप के कारण कई इमारतें ढह गई थीं और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ था।

शुक्रवार को म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने 1645 लोगों की जान ले ली और 3400 से अधिक लोग लापता हो गए। कई मस्जिदें और अन्य इमारतें ध्वस्त हो गईं, जिससे हजारों लोग बेघर हो गए हैं। इस भूकंप का असर केवल म्यांमार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बैंकॉक तक तबाही मच गई। भूवैज्ञानिकों के अनुसार, म्यांमार भूकंप-प्रवण क्षेत्र में स्थित है, जहां टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल अधिक होती है। इस वजह से वहां बार-बार भूकंप आने की संभावना बनी रहती है। हाल के दिनों में जिस तरह लगातार झटके महसूस किए जा रहे हैं, उससे लगता है कि स्थिति अभी और गंभीर हो सकती है। भूकंप से प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य तेजी से चलाए जा रहे हैं।